

धर्मरत्न वज्राचार्य सुरत श्री महाविहार

II-291

॥ १ ॥

ॐ नमो लोकनाथः ॥ ॥ ॐ नमो रत्नत्रयायः ॥ ॥ ॐ नमो
मोक्षी आर्यावलोकितेश्वरायः ॥ १ ॥ ॐ वज्रनाथलोके
श्वराय नमः ॥ २ ॥ ॐ वज्रपाणिलोके श्वराय नमः ॥ ३ ॥ ॐ
पद्मपाणिलोके श्वराय नमः ॥ ४ ॥ ॐ पद्मनित्यनाथलोके
श्वराय नमः ॥ ५ ॥ ॐ आनन्ददिलोके श्वराय नमः ॥ ६ ॥

॥ १ ॥

ॐ वज्रहस्तविद्यापतिलोके श्वराय नमः ॥ ७ ॥ ॐ शंखनाथलो
के श्वराय नमः ॥ ८ ॥ ॐ वज्रकातिलोके श्वराय नमः ॥ ९ ॥ ॐ
विष्णुकातिलोके श्वराय नमः ॥ १० ॥ ॐ रुतोज्ज्वलिलोके श्वराय न
मः ॥ ११ ॥ ॐ उत्तमत्रलोके श्वराय नमः ॥ १२ ॥ ॐ मञ्जुदत्तलो
के श्वराय नमः ॥ १३ ॥ ॐ शास्त्रलोके श्वराय नमः ॥ १४ ॥ ॐ चिं

॥२॥

मणि लोके श्वराय नमः ॥ १४ ॥ औं ज्ञान धातु लोके श्वराय नमः ॥ १५ ॥

औं शाके धातु लोके श्वराय नमः ॥ १६ ॥ औं वज्र धातु लोके श्वराय नमः ॥ १७ ॥

औं मञ्जु भूत लोके श्वराय नमः ॥ १८ ॥ औं वि

श्व भूत लोके श्वराय नमः ॥ १९ ॥ औं सुखावति लोके श्वराय नमः ॥ २० ॥

औं सुप्रिय सार्थ वाह लोके श्वराय नमः ॥ २१ ॥

॥२॥

औं मेघ न सार्थ वाह लोके श्वराय नमः ॥ २२ ॥ औं अमिताभ

लोके श्वराय नमः ॥ २३ ॥ औं महा वज्र सत्त्व लोके श्वराय नमः

॥ २४ ॥ औं सिंह नाद लोके श्वराय नमः ॥ २५ ॥ औं हलाहल

लोके श्वराय नमः ॥ २६ ॥ औं धर्म चक्र लोके श्वराय नमः ॥ २७ ॥

औं षडक्षरी लोके श्वराय नमः ॥ २८ ॥ औं षडधिरि लोके श्वराय

॥ ३ ॥

नमः॥ २९ ॥ ओं शास्त्रांगलोकेश्वराय नमः॥ ३० ॥ ओं हस्तभूजलोकेश्वराय नमः॥ ३१ ॥ ओं वृक्षेन्द्रलोकेश्वराय नमः॥ ३२ ॥ ओं अमोघपाशलोकेश्वराय नमः॥ ३३ ॥ ओं वैभूतलोकेश्वराय नमः॥ ३४ ॥ ओं कमलवन्धलोकेश्वराय नमः॥ ३५ ॥ ओं पिराडुपत्रलोकेश्वराय नमः॥ ३६ ॥ ओं कानन्दलोकेश्वराय नमः॥

॥ ३ ॥

३७ ॥ ओं श्री^म ब्रह्मलोकेश्वराय नमः॥ ३८ ॥ ओं श्री परमुपतीलोकेश्वराय नमः॥ ३९ ॥ ओं श्री लोकनाथलोकेश्वराय नमः॥ ४० ॥ ओं लोकनाथलोकेश्वराय नमः॥ ४१ ॥ ओं श्री नित्यलोकेश्वराय नमः॥ ४२ ॥ ओं मायाजालहरिहरलोकेश्वराय नमः॥ ४३ ॥ ओं त्रैलोक्यवसन्तकरलोकेश्वराय नमः॥ ४४ ॥ ओं

॥४॥ कुलक्षालोकेश्वराय नमः॥ ४५ ॥ ओं नीलकंठलोकेश्वराय नमः॥

॥४६॥ ओं मायांजाललोकेश्वराय नमः॥ ४७ ॥ ओं शीलच

क्रलोकेश्वराय नमः॥ ४८ ॥ ओं अभयंकरीलोकेश्वराय नमः॥

॥४९॥ ओं धर्मशंखलोकेश्वराय नमः॥ ५० ॥ ओं नित्यपुं

रापलोकेश्वराय नमः॥ ५१ ॥ ओं रत्नपाणिलोकेश्वराय नमः॥

॥४॥

॥ ५२ ॥ ओं सुगन्धादर्शनलोकेश्वराय नमः॥ ५३ ॥ ओं प्रेतगती

संशोधनलोकेश्वराय नमः॥ ५४ ॥ ओं गन्धवतीलोकेश्वराय नमः॥

॥ ५५ ॥ ओं सुसार्थवाहलोकेश्वराय नमः॥ ५६ ॥ ओं श्री अकूल

लोकेश्वराय नमः॥ ५७ ॥ ओं कात्तिवतारलोकेश्वराय नमः॥

५८ ॥ ओं श्रीजोगाम्बरलोकेश्वराय नमः॥ ५९ ॥ ओं श्रीचन्द्रव

॥ ५ ॥

रलोकेश्वराय नमः ॥ ६० ॥ ॐ श्रीसूर्यवरलोकेश्वराय नमः ॥

६१ ॥ ॐ श्रीविष्णुरितलोकेश्वराय नमः ॥ ६२ ॥ ॐ श्रीगगण

गंजलोकेश्वराय नमः ॥ ६३ ॥ ॐ श्री आकाशलोकेश्वराय

नमः ॥ ६४ ॥ ॐ ईन्दुगतीलोकेश्वराय नमः ॥ ६५ ॥

ॐ सागरगम्भीरलोकेश्वराय नमः ॥ ६६ ॥ ॐ सिंहवी

॥ ५ ॥

र्यलोकेश्वराय नमः ॥ ६७ ॥ ॐ सिंहविक्रिदितलोकेश्वराय

नमः ॥ ६८ ॥ ॐ अभयवरदायकलोकेश्वराय नमः ॥

॥ ६९ ॥ ॐ अभिचीसंसाधनलोकेश्वराय नमः ॥ ७० ॥

ॐ विकरत्नलोकेश्वराय नमः ॥ ७१ ॥ ॐ श्रीसमन्तभद्रलोकेश्वराय

नमः ॥ ७२ ॥ ॐ श्रीवज्रसत्त्वलोकेश्वराय नमः ॥ ७३ ॥ ॐ

॥ ६ ॥

श्रीगुरुगुप्तलोकेश्वराय नमः ॥ ७४ ॥ ओं आकाशगर्भलोकेश्व
राय नमः ॥ ७५ ॥ ओं मेघवतीलोकेश्वराय नमः ॥ ७६ ॥ ओं अ
नीर्षदुरलोकेश्वराय नमः ॥ ७७ ॥ ओं अस्वस्थहस्तलोकेश्व
राय नमः ॥ ७८ ॥ ओं सर्वशीवरीविष्कभीलोकेश्वराय नमः ॥ ६ ॥
॥ ७९ ॥ ओं भेषजलोकेश्वराय नमः ॥ ८० ॥ आसागरम

तीलोकेश्वराय नमः ॥ ८१ ॥ ओं धर्मरत्नलोकेश्वराय नमः
॥ ८२ ॥ ओं गजाधिपतिश्वलोकेश्वराय नमः ॥ ८३ ॥ ओं सु
मुखलोकेश्वराय नमः ॥ ८४ ॥ ओं रत्नकिर्तिलोकेश्वराय
नमः ॥ ८५ ॥ ओं सकविहःलोकेश्वराय नमः ॥ ८६ ॥ ओं
पद्मोत्तरलोकेश्वराय नमः ॥ ८७ ॥ ओं दुरुवीर्यलोकेश्वरा

॥ ७ ॥ यनमः ॥ ८८ ॥ ओं सप्तसुखनोभरायनमः ॥ ८९ ॥ ओं बलविः
दुःलोकेश्वरायनमः ॥ ९० ॥ ओं जलविलुः लोकेश्वरायनमः
॥ ९१ ॥ ओं धर्मपीठलोकेश्वरायनमः ॥ ९२ ॥ ओं पद्मा
लंकारः लोकेश्वरायनमः ॥ ९३ ॥ ओं धातुप्रिया लोकेश्वरा ॥ ७ ॥
यनमः ॥ ९४ ॥ ओं चन्द्रविमलः लोकेश्वरायनमः ॥ ९५ ॥

ओं वज्रभूतिलोकेश्वरायनमः ॥ ९६ ॥ ओं विनिविष्णुलोकेश्वरायनमः ॥ ९७ ॥ ओं दुर्दुर्भा लोकेश्वरायनमः ॥ ९८ ॥
ओं ऋषिपुंगवः लोकेश्वरायनमः ॥ ९९ ॥ ओं दशभूमीः
लोकेश्वरायनमः ॥ १०० ॥ ओं सर्वज्ञः लोकेश्वरायनमः ॥
१०१ ॥ ओं करजोतिलोकेश्वरायनमः ॥ १०२ ॥ ओं उद्दि

॥ ८॥

यलोकेश्वराय नमः ॥ १०३ ॥ ॐ मज्जुदन्ते लोकेश्वराय नमः

॥ १०४ ॥ ॐ शिकीत लोकेश्वराय नमः ॥ १०५ ॥ ॐ शासि

ता लोकेश्वराय नमः ॥ १०६ ॥ ॐ खिखिलो लोकेश्वराय

नमः ॥ १०७ ॥ ॐ मनिदत्त लोकेश्वराय नमः ॥ १०८ ॥

इति श्री लोकेश्वर अष्टोत्तरः सतकं नमस्कारस्तोत्रं समाप्तं ॥ ८॥

II-29

प्रसरत् ब्रह्मचार्य सुरत श्री महाविह